वर्ष :: 33 अंक : 52
पृष्ठ : 08 :: मूल्य 2 रुपए मात्र

मिथिला
वर्णन
स्वच्छ पत्रकारिता, स्वस्थ पत्रकारिता
झारखंड-बिहार का लोकप्रिय हिन्दी साप्ताहिक

/mithilavarnan

बोकारो :: रविवार, 24 सितंबर, 2023 News & E-paper : www.varnanlive.com E-mail : mithilavarnan@gmail.com

पूरे परिवार के लिये आध्यात्मिक पत्रिका

अवश्य पढ़ें-
निखिल-मंत्र-विज्ञान
14ए, मैनरोड, हाईकोर्ट कॉलोनी, जोधपुर (राज.)
फोन : (0291) 2624081, 263809

गणपति बप्पा मोरया...

बोकारो : विघ्ननाशक भगवान गणपति की आराधना में इस्पातनगरी बोकारो, उपशहर चास सहित आसपास का पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा। चारों तरफ 'गणपति बप्पा मोरया...' के जयघोष गूंजते रहे। अवसर था गणेश चतुर्थी का। सेक्टर-4 स्थित मजदूर मैदान, सेक्टर-2 के गणेश मंदिर मैदान सहित विभिन्न जगहों पर मेले भी लगाए गए। मजदूर मैदान में इस वर्ष भी गणेश महोत्सव में आकर्षक का केंद्र दिल्ली के अक्षरधाम के स्वरूप का 90 फीट ऊंचा पंडाल और उसमें 16 फीट की भव्य भगवान गणेश की प्रतिमा रही। वहीं, सिटी सेंटर में दुबई के बुर्ज खलीफा की अनुकृति वाले 121 फीट ऊंचे पंडाल में 28 फीट ऊंची भगवान गणेश के बाल स्वरूप की प्रतिमा अपने-आप में अनूठी रही।

हेमंत को गिरफ्तारी का डर?

जमीन घोटाला
ईडी बनाम सीएम

विशेष संवाददाता

रांची : झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की मुश्किलें जमीन घोटाला के मामले में कम होती नहीं दिख रहीं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) लगातार उन्हें समन पर समन भेज रहा है और वह बचते फिर रहे हैं। उन पर गिरफ्तारी की तलवार लगातार लटक रही है, जिससे बचने के लिए उन्होंने ईडी के समन के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। लेकिन, वहां उनकी याचिका खारिज कर दी गई। सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस अनिरुद्ध बोस और जस्टिस बेला माधुर्य त्रिवेदी की पीठ ने याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया और हाई कोर्ट में ले जाने को कहा। उन्होंने ऐसा ही किया। दरअसल, जमीन की खरीद-बिक्री में हुई अनियमितता के मामले में ईडी ने चौथी बार समन भेजकर सीएम हेमंत सोरेन को पूछताछ के लिए शनिवार (23 सितम्बर) को बुलाया था, लेकिन उन्होंने शनिवार को ही झारखंड हाईकोर्ट में याचिका दायर कर दी। उधर, भाजपाइयों का कहना है कि सीएम हेमंत की यह बेचैनी और ईडी पर आरोप लगाना कहीं न कहीं अपनी गलती पर पर्दा डालना या उनकी डर का द्योतक है।

सीएम ने ईडी के समन मामले में दायर रिट याचिका में सुप्रीम कोर्ट द्वारा हाईकोर्ट जाने की छूट दिए जाने को आधार बनाया है। साथ ही, ईडी की ओर से उनके खिलाफ किसी भी तरह की पीड़क कार्रवाई न करने का आदेश पारित करने का आग्रह किया है। सीएम हेमंत (शेष पेज- 7 पर)

क्या कहा था सुप्रीम कोर्ट की याचिका में

बता दें कि सीएम हेमंत सोरेन ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर ईडी के समन को चुनौती दी थी। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा था कि ईडी केन्द्र के इशारे पर काम कर रही है और जनता के माध्यम से चुनी हुई सरकार को अस्थिर करने की कोशिश कर रही है। जबकि, सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें सुझाव दिया कि वह हाई कोर्ट में अपनी बात रखें। अब अगर हाईकोर्ट से भी अगर राहत नहीं मिली तो सीएम की मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

सीएम नहीं, उनकी चिट्ठी पहुंची ईडी के पास

जमीन फर्जीवाड़ा मामले में ईडी द्वारा जारी चौथे समन के बाद भी सीएम हेमंत सोरेन ईडी दफ्तर नहीं पहुंचे। अलबत्ता उनकी चिट्ठी एक बार फिर पहुंच गई। ईडी ने श्री सोरेन को 17 सितंबर को चौथी बार समन भेजा था, जिसमें उन्हें 23 सितंबर को ईडी दफ्तर में उपस्थित होने को कहा गया था, लेकिन मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने झारखंड हाईकोर्ट का रुख किया और खुद ईडी दफ्तर नहीं पहुंचे। उन्होंने आवेदन देकर ईडी को बताया है कि वह हाईकोर्ट चले गए हैं। कोर्ट का जो आदेश होगा, उसके बाद ही कोई निर्णय लेंगे। अब देखने वाली बात यह है कि इस पूरे मामले में ईडी की तरफ से आगे क्या कार्रवाई की जाएगी। विदित हो कि सीएम हेमंत सोरेन से ईडी के रांची स्थित जोनल कार्यालय में जमीन घोटाले से जुड़े मामले में पूछताछ होनी है। इसे लेकर ईडी ने चौथी बार समन जारी किया। 23 सितंबर को तलब करने से पहले भी ईडी ने सीएम को 14 अगस्त, 24 अगस्त और 9 सितंबर को पूछताछ के लिए बुलाया था, लेकिन वह ईडी के सामने पेश नहीं हुए। हालांकि, सभी समन का जवाब उन्होंने दिया।

बोले सरयू... झारखंड की नस-नस में भ्रष्टाचार

बोकारो थर्मल : 'झारखंड राज्य के नस-नस में भ्रष्टाचार रच बस गया है और इसका विरोध करने वालों पर भ्रष्टाचार में लिप्त सभी गोलबंद होकर थाना में फर्जी मुकदमा दर्ज करवा देंगे, जैसा कि जमशेदपुर में मेरे साथ किया गया है। मुझपर आधा दर्जन मुकदमे कर दिये गये हैं। आम आदमी फर्जी मुकदमे और पुलिस की पिटाई को नहीं झेल सकता है।' उक्त बातें जमशेदपुर पूर्वी के विधायक सरयू राय ने बोकारो थर्मल स्थित डीवीसी के निदेशक भवन में एक खास बातचीत के दौरान कही। विधायक ने कहा कि राज्य में एनजीटी द्वारा बालू उठाव पर रोक के बावजूद बालू का उठाव जारी है और यह पॉलिटिशियन और पुलिस के लिए कमाई का जरिया बना हुआ है। एनजीटी के आदेश का पालन करवाना सरकार का काम है। सुप्रीम कोर्ट के द्वारा बालू उठाव को लेकर जितना कड़ा कानून बना दिया गया, उससे कड़ा कानून नहीं बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि जब तक राजनीति एवं राजनीतिज्ञ नहीं सुधरेंगे, तब तक समाज को नहीं सुधारा जा सकता है। उन्होंने कहा कि राज्य में भ्रष्टाचार पर रोक को (शेष पेज- 7 पर)

जीवटता हिम्मत, हौसला और माता-पिता के संघर्ष ने संगीत-जगत में दिलाई बोकारो के विकास को विशेष पहचान, पिता फोर्थ ग्रेड कर्मी

उधर मां के कैंसर का चल रहा था ऑपरेशन, इधर ने बेटे ने भेजी फाइनल रिकॉर्डिंग; हिट हो गया गाना

कार्यालय संवाददाता

बोकारो : मां जानलेवा बीमारी कैंसर से ग्रसित थीं। उनका ऑपरेशन चल रहा था और बेटे को उसी दिन गाने की फाइनल रिकॉर्डिंग भेजनी थी। बेटे ने हिम्मत न हारी, हौसला न खोया। उसने न सिर्फ गाने को रिकॉर्ड कर भेजा, बल्कि आज उसका गाना हिट होकर धमाल मचा रहा है। यह कहानी है बोकारो के होनहार युवा विकास रंजन कर्मकार की। म्यूजिक वीडियो के क्षेत्र में विकास आरके आज एक पहचान बन चुके हैं। संगीत के क्षेत्र में एक से बढ़कर एक म्यूजिक वीडियो तैयार करने वाले विकास की कामयाबी के पीछे संघर्ष और हौसले की मजबूत बुनियाद है। संघर्षपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद माता-पिता के असीम सहयोग और विकास की हिम्मत अंततः काम आई और आज वह गायकी, वीडियो मेकिंग आदि के क्षेत्र में शोहरत पा चुका है।

डीपीएस बोकारो में 2016 बैच का छात्र रहा है विकास

डीपीएस बोकारो में 2016 बैच होनहार विद्यार्थी रहे विकास के पिता बनफूल कर्मकार ने एक निजी विद्यालय में संघर्षपूर्ण नौकरी कर अपने बेटे को अच्छी शिक्षा दिलाई और उसकी ख्वाहिश पूरी करने में कोई कमी नहीं छोड़ी। वहीं, मां जमुना देवी खतरनाक बीमारी कैंसर से ग्रसित थीं। इसके बाद भी विकास ने अपनी संकल्प-शक्ति क्षीण न होने दी। विकास को बचपन से ही संगीत में रुचि थी। उसकी दिली ख्वाहिश आगे चलकर बॉलीवुड में एक सफल सिंगर बनने की है। लगभग एक दर्जन हिन्दी व बांग्ला गीतों को लिखकर संगीतबद्ध और स्वरबद्ध कर चुके हैं। अपने बेटे की मेहनत और सभी परिजनों के सहयोग से विकास की मां भी आज कैंसर को मात देकर स्वास्थ्य-लाभ ले रही हैं। वह भी अपने बेटे की सफलता पर प्रसन्न हैं। जबकि, उसकी छोटी बहन वंदना कुमारी नर्सिंग में बीएससी कर रही है।

बोकारो में हुई है 'रेत' की शूटिंग

एक नामचीन बॉलीवुड म्यूजिक कंपनी के ऑफिशियल यूट्यूब चैनल से विकास के गाए और उसी के निर्देशन में तैयार वीडियो म्यूजिक रेत को जारी किया गया। इसकी शूटिंग मुख्य रूप से बोकारो में ही हुई है। बोकारो रेलवे फाटक ब्रिज, होटल हंस रीजेन्सी, बोकारो क्लब रोड, सिटी सेंटर, सेक्टर-5 रोड, सेक्टर-11 रोड, गरगा डैम आदि लोकेशन्स पर इसे फिल्माया गया है। इसके अलावा एक दृश्य की शूटिंग (शेष पेज- 7 पर)

– संपादकीय –

नए संसद भवन में नई इबारत

लोकतंत्र के नए मंदिर के रूप में नए संसद भवन में विधायिका का काम-काज चालू हो गया। इसके साथ ही नई इमारत में नई इबारत भी रची गयी। महिला आरक्षण विधेयक लोकसभा के बाद राज्यसभा से भी पारित हो गया। 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023' के नाम से लाया गया विधेयक लोकसभा में बुधवार को ही पास हो गया था। जबकि, गुरुवार को राज्यसभा से भी सर्वसम्मति से पारित हो गया। इसके साथ ही संसद का विशेष सत्र तय समय से एक दिन पहले ही खत्म हो गया। लोकसभा के बाद राज्यसभा में महिला आरक्षण बिल सर्वसम्मति से पास होने के बाद संसद के दोनों सदनों को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया। 18 सितंबर से शुरू हुआ यह सत्र 22 सितंबर तक चलना था, लेकिन यह सत्र 21 सितंबर को ही खत्म कर दिया गया। सत्र की शुरुआत से पहले कई तरह के कयास लगाए जा रहे थे। इन कयासों में देश का नाम बदलने से लेकर, यूसीसी, वन नेशन-वन इलेक्शन जैसे कई मुद्दे शामिल थे। लेकिन, मोदी सरकार ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम को दोनों सदनों से पारित कराकर इन सारी चर्चाओं पर विराम लगा दिया। निर्विरोध रूप से संसद में यह पारित भी हो गया। अब विधेयक राष्ट्रपति के पास भेजा जाएगा। राष्ट्रपति की मंजूरी मिलने के बाद महिला आरक्षण विधेयक कानून बन जाएगा। हालांकि, यह कानून लागू होने से पहले जनगणना और सीटों के परिसीमन का काम होगा। जानकारों की मानें तो महिला आरक्षण विधेयक जनगणना और परिसीमन के बाद वर्ष 2029 के लोकसभा चुनाव तक ही लागू हो सकेगा। 128 वें संविधान संशोधन विधेयक (नारी शक्ति वंदन अधिनियम) को अब अधिकांश राज्य की विधानसभाओं की मंजूरी की आवश्यकता होगी। इसे जनगणना के आधार पर संसदीय और विधानसभा क्षेत्रों को फिर से तैयार करने के लिए परिसीमन के बाद लागू किया जाएगा। सरकार का कहना है कि यह प्रक्रिया अगले साल शुरू की जाएगी। दरअसल, देश के 95 करोड़ पंजीकृत मतदाताओं में से करीब आधी महिलाएं हैं, लेकिन संसद में सिर्फ 15 प्रतिशत और राज्य विधानसभाओं में उनकी हिस्सेदारी 10 प्रतिशत है। महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण संसद के उच्च सदन (राज्यसभा) और राज्य विधान परिषदों में लागू नहीं होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कानून का समर्थन करने के लिए सांसदों को धन्यवाद देते हुए उनका आभार जताया। इस विधेयक के पारित होने से 69 करोड़ महिलाओं की उम्मीद है कि अब राजनीति में भी उनकी भागीदारी बढ़ेगी। यानी महिलाएं अब सिर्फ वोटर बनकर नहीं रह जाएंगी, बल्कि अब वो खुद आधी आबादी के लिए नीति निर्धारण में अहम भूमिका निभाएंगी। हालांकि, संसद में इस विधेयक पर चर्चा के दौरान कांग्रेस के नेताओं ने इस पर अपना श्रेय लेने की पूरी कोशिश की, लेकिन भाजपा नेताओं ने इसके बदले स्वरूप का हवाला देते हुए उन्हें सोच में डाल दिया। अब यह महिला आरक्षण वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में भले ही लागू न हो सके, लेकिन भाजपा चुनावी मंचों से इसे राजनीतिक हथियार बनाने की तैयारी में जुट गई है। विपक्ष यह भी जानता है कि चाहे कितनी भी कोशिश कर ले, प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा को वह इसका श्रेय लेने से नहीं रोक पाएगा। क्योंकि, देश के नए संसद भवन का श्रीगणेश करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने विपक्ष के सामने एक बड़ी लकीर तो खींच ही दी है।

आप अपने विचार अथवा अपनी रचनाएं हमें निम्नलिखित ई–मेल पर भेज सकते हैं–
mithilavarnan@gmail.com, Contact : 9431379234
Join us on /mithilavarnan
Visit us on : www.varnanlive.com
(किसी भी कानूनी विवाद का निबटारा केवल बोकारो कोर्ट में ही होगा।)

उद्यमिता- सामाजिक परिवर्तन का एक शक्तिशाली उपकरण

– सौरभ गर्ग –
सचिव, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार।

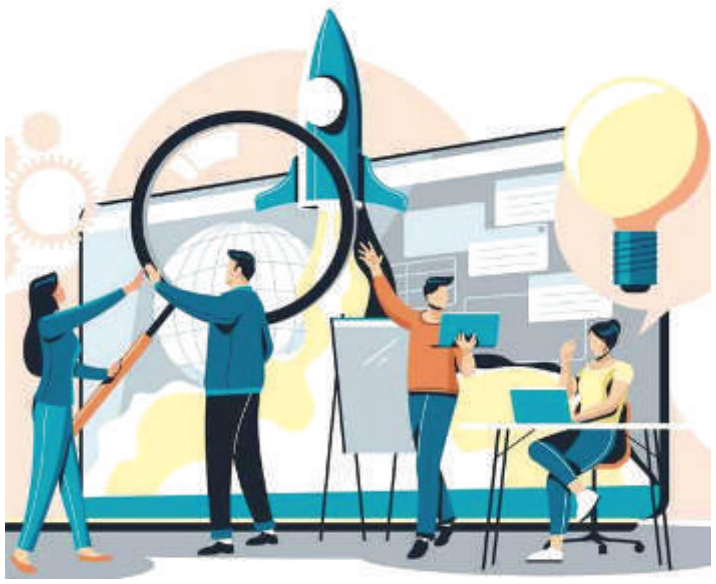

सामाजिक परिवर्तन के एक शक्तिशाली उपकरण के रूप में उद्यमिता की मान्यता पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। उद्यमिता न केवल आर्थिक मूल्य सृजित करती है, बल्कि यह लोगों को अपने अधिकारों का प्रयोग करने तथा पारंपरिक मानदंडों से मुक्त होने के लिए सशक्त भी बनाती है। स्टार्ट-अप इंडिया, स्टैंड-अप इंडिया जैसे विभिन्न कार्यक्रमों के साथ एकीकृत करने की दृष्टि से सरकार ने हाशिए पर रहने वाले एवं कमजोर समुदाय के लोगों के भीतर उद्यमिता को प्रोत्साहित करने हेतु कई सक्रिय कदम उठाए हैं। उद्यमिता के प्रोत्साहन का यह दृष्टिकोण उस समावेशी विकास के इर्द-गिर्द घूमता है, जहां कोई भी पीछे नहीं छूटे और सभी नागरिकों, चाहे उनकी पृष्ठभूमि या सामाजिक हैसियत कुछ भी हो, को अवसर समान रूप से सुलभ हों। विभिन्न रणनीतिक पहलों एवं अभिनव कार्यक्रमों के माध्यम से सरकार का उद्देश्य हाशिए पर रहने वाले समुदायों को सशक्त बनाते और उनकी क्षमता को सामने लाते हुए देश को व्यापक विकास की ओर ले जाना है।

वर्ष 2015 में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय ने रियायती वित्त प्रदान करके अनुसूचित जातियों के बीच उद्यमिता को बढ़ावा देने हेतु अनुसूचित जातियों के लिए उद्यम पूंजी कोष (वेंचर कैपिटल फंड) की स्थापना की। लगभग 726 करोड़ रुपये की मौजूदा निधि के साथ, इस कोष ने सभी उद्योगों में ग्रीन-फील्ड एवं विस्तार परियोजनाओं के लिए 10 लाख रुपये से लेकर 15 करोड़ रुपये तक की फंडिंग की पेशकश करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस वित्तीय सहायता ने उन उभरते उद्यमियों के लिए एक जीवन-रेखा के रूप में काम किया है, जिनके लिए शायद फंडिंग के पारंपरिक मार्गों तक पहुंचना संभव नहीं होता।

इस कोष के सबसे उल्लेखनीय पहलुओं में से एक चार प्रतिशत प्रति वर्ष की रियायती ब्याज दर है, जिसे महिला उद्यमियों एवं अनुसूचित जाति वर्ग के दिव्यांग उद्यमियों के लिए घटाकर 3.75 प्रतिशत प्रति वर्ष कर दिया गया है। ब्याज दरों में यह उल्लेखनीय कमी यह सुनिश्चित करती है कि हाशिए की पृष्ठभूमि से उभरने वाले उद्यमी अपेक्षाकृत अधिक विशेषाधिकार प्राप्त पृष्ठभूमि से संबंध रखने वाले अपने समकक्षों के साथ समान धरातल पर प्रतिस्पर्धा कर सकें।

अंबेडकर सोशल इनोवेशन इनक्यूबेशन मिशन (एएसआईआईएम) सामाजिक परिवर्तन की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है। उद्यम पूंजी (वेंचर कैपिटल) से जुड़ी पहल के हिस्से के रूप में, अनुसूचित जाति समुदाय के युवाओं के भीतर अभिनव विचारों के विकास एवं प्रसार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एएसआईआईएम का 2020 में शुभारंभ किया गया था। कुल 30 लाख रुपये तक की फंडिंग के माध्यम से एएसआईआईएम ने अनुसूचित जाति समुदाय के छात्रों एवं शोधकताओं द्वारा शुरू की गई प्रौद्योगिकी-उन्मुख परियोजनाओं व स्टार्ट-अप का समर्थन किया है। इस पहल ने उद्यमिता के मोर्चे पर सरकार की ओर से डाले जाने वाले प्रभाव में एक और गतिशील एवं अभिनव आयाम जोड़ा है।

इन पहलों का प्रभाव गहरा रहा है। कुल मिलाकर 20 राज्यों में अनुसूचित जाति के उद्यमियों के स्वामित्व वाले 200 उद्यमों को समर्थन देने के लिए 483 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए। ये उद्यम विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े हुए हैं और क्षेत्रीय विकास एवं राष्ट्र-निर्माण के व्यापक प्रयास में अहम योगदान दे रहे हैं। इसके अलावा, अनुसूचित जाति समुदाय के पहली पीढ़ी के उद्यमियों को महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्रदान करके उनकी सफलता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मार्गदर्शन सत्र की पेशकश करने वाले प्लेटफॉर्म aye-mentor.in की स्थापना की गई है।

अन्य पिछड़ा वर्ग के उद्यमियों की असीम क्षमताओं को पहचानते हुए सरकार ने 2019 में पिछड़े वर्ग के लिए उद्यम पूंजी कोष (वेंचर कैपिटल फंड) की स्थापना की। कुल 143 करोड़ रुपये की मौजूदा निधि के साथ, यह कोष पिछड़े वर्ग के उद्यमियों को रियायती वित्तपोषण प्रदान करता है। इससे सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र में पिछड़े वर्ग के उद्यमियों की सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहन मिला है। सभी उद्योगों में ग्रीन-फील्ड एवं विस्तार परियोजनाओं के लिए 20 लाख रुपये से लेकर 15 करोड़ रुपये तक की फंडिंग की पेशकश करके, हम आर्थिक समावेशिता को बढ़ावा दे रहे हैं।

इस कोष ने मैन्यूफैक्चरिंग, सेवाओं एवं कृषि से संबंधित उद्योगों सहित विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े अन्य पिछड़ा वर्ग के उद्यमियों के स्वामित्व वाली 29 कंपनियों को 106 करोड़ रुपये स्वीकृत किए हैं। इस वित्तीय सहायता ने अन्य पिछड़ा वर्ग समुदाय के बीच विकास एवं समावेशिता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

वर्ष 2021 में, 'सिल्वर इकोनॉमी' के रूप में जाने जाने वाले वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण एवं भलाई के लिए अटल वयो अभ्युदय योजना (एवीवीएवाई) के तहत 'सेज' (सीनियर एजिंग ग्रोथ इंजन) नाम की पहल शुरू की गई थी। कुल 21.50 करोड़ रुपये की वर्तमान निधि और 106 करोड़ रुपये की इच्छित निधि के साथ सेज उद्यम कोष (वेंचर फंड) इस क्षेत्र में उद्यमिता को बढ़ावा देते हुए बुजुर्गों की बेहतरी के लिए नवीन समाधान पेश करने वाले स्टार्ट-अप का समर्थन करता है। ये पहल हाशिए पर रहने वाले समुदायों की क्षमताओं को सामने लाने और उन्हें अपनी नियति का निर्धारण करने के कार्य में सक्षम बनाने में समर्थ रहे हैं। उद्यम पूंजी कोष (वेंचर कैपिटल फंड) के माध्यम से वित्तीय सहायता के प्रावधान के परिणामस्वरूप अर्थव्यवस्था में 700 करोड़ से अधिक मूल्य की परिसंपत्तिओं का निर्माण हुआ है और इससे 3000 से अधिक व्यक्तियों के लिए रोजगार के अवसर सृजित हुए हैं।

हाशिए पर रहने वाले एवं कमजोर समुदायों के 400 से अधिक उद्यमियों ने अपनी उद्यमशीलता संबंधी आकांक्षाओं को सफलतापूर्वक साकार किया है। ये उद्यमी अब 'मेक इन इंडिया' पहल में सक्रिय रूप से योगदान दे रहे हैं और इस प्रकार भारत की आर्थिक विकास एवं समृद्धि को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय हाशिए पर रहने वाले समुदायों को सशक्त बनाने तथा सामाजिक सशक्तिकरण एवं राष्ट्र-निर्माण के वाहक के रूप में उद्यमिता को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता पर अडिग है। अनुसूचित जाति एवं पिछड़े वर्गों के लिए उद्यम पूंजी कोष (वेंचर कैपिटल फंड) के साथ-साथ सेज उद्यम कोष (वेंचर फंड) जैसी रणनीतिक पहलों के माध्यम से सरकार ने सभी लोगों, चाहे उनकी पृष्ठभूमि या सामाजिक हैसियत कुछ भी हो, के लिए अवसर सृजित करने का काम जारी रखा है। समावेशी प्रगति का दृष्टिकोण महज एक सपना भर नहीं है, बल्कि यह परिवर्तनकारी पहलों के माध्यम से तैयार की गई एक ऐसी वास्तविकता है जो लोगों को सशक्त बनाती है, नवाचार को बढ़ावा देती है और राष्ट्र को व्यापक विकास के मार्ग पर अग्रसर करती है। अपेक्षाकृत अधिक समावेशी एवं समृद्ध भारत के निर्माण के लिए, इस तरह के प्रयास प्रत्येक नागरिक की अप्रयुक्त क्षमताओं का दोहन करते हुए सार्थक परिणाम देते रहेंगे और एक प्रगतिशील एवं एकजुट भारत के सामूहिक दृष्टिकोण को साकार करेंगे।

रंग दिखा रहे बोकारो के जयदीप के करामाती गुर एशियाई गेम्स में भारत ने 37 साल बाद रचा इतिहास

चीन में भारत का डंका... पुरुष वॉलीबॉल टीम के मुख्य प्रशिक्षक की अगुवाई में अजेय बनी टीम इंडिया

ग्लोबल एक्टिव पार्टनर सिटी के लीड ऑफिसर हैं डॉ. जयदीप सरकार

संवाददाता

बोकारो : चीन के हांगझू में इन दिनों भारत का तिरंगा खूब लहर रहा है। एशियन गेम्स के तहत वहां भारतीय वॉलीबॉल की टीम धमाल मचाते हुए हर दिन एक के बाद एक नया इतिहास रच रही है और इस इतिहास को गढ़ने में केंद्रीय भूमिका निभा रहे हैं बोकारो के डॉ. जयदीप सरकार। ग्लोबल एक्टिव पार्टनर सिटी के लीड ऑफिसर एवं वॉलीबॉल के अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षक डॉ. जयदीप की अगुवाई, देखरेख व कुशल मार्गदर्शन में टीम इंडिया अजेय बढ़त के साथ लगातार विजय-पथ पर आगे बढ़ती चली जा रही है। इस विजय-यात्रा के रास्ते में वो टीमें धराशाई हो रही हैं, जो अबतक वालीबॉल में अपने दबदबे के लिए जानी जाती थीं।

पुरुष भारतीय वॉलीबॉल टीम के मुख्य प्रशिक्षक डॉ. जयदीप के गुरुमंत्र इस कदर काम आ रहे हैं कि भारत ने अपने ग्रुप में पिछले एशियन गेम्स की रजत पदक विजेता दक्षिण कोरिया को 3-2 सेटों से शिकस्त देकर ग्रुप विनर बनने के बाद शुक्रवार को पुनः पिछले एशियन गेम्स की कांस्य पदक विजेता चीनी ताइपे को 3-0 (25-22,25-22 एवं 25-21) सीधे सेटों में परास्त कर दिया। मुख्य प्रशिक्षक डॉ. जयदीप ने दूरभाष पर बताया कि वर्ष 1986 के बाद यह पहला मौका है, जब क्वार्टर फाइनल में भारतीय टीम ने अपनी जगह बनाई।

भारत, जो 2018 में जकार्ता (इंडोनेशिया) में पिछले एशियाई खेलों में निराशाजनक 12वें स्थान पर और पिछले महीने ईरान में उर्मिया की मेजबानी में आयोजित एशियाई सीनियर पुरुष चैंपियनशिप में 11वें स्थान पर रहा था, उसने 19वें एशियाई खेलों हांग्जो 2022 पुरुष वॉलीबॉल में चीनियों को हराकर एक बड़ी सनसनी पैदा कर दी। 2018 एशियाड में कांस्य पदक विजेता ताइपे ने शुक्रवार को चीन के हांगझू में चाइना टेक्सटाइल सिटी स्पोर्ट्स सेंटर जिम्नेजियम में अंतिम 12 राउंड में सीधे सेटों में 25-22, 25-22, 25-21 से जीत दर्ज की।

एशियाई खेलों में अबतक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

वॉलीबॉल के क्षेत्र में अपने करामाती टिप्स के लिए विख्यात डॉ. जयदीप की देखरेख में टीम इंडिया का यह दमदार प्रदर्शन वास्तव में भारतीय टीम का एक उल्लेखनीय प्रदर्शन है, क्योंकि चीनी ताइपे विश्व रैंकिंग में 43वें स्थान पर है और भारत 73वें स्थान पर है। भारतीय टीम ने दक्षिण कोरिया और कंबोडिया पर जीत के साथ शीर्ष 12 में जगह बनाई थी। भारत ने अब तक एशियाई खेलों में पुरुष वॉलीबाल में तीन पदक जीते हैं। 1958 के संस्करण में भारतीय टीम ने कांस्य पदक जीता था और 1962 में भारत जापान से हारकर उपविजेता रहा था। उसके बाद भारतीय पुरुष वॉलीबाल 1986 में कांस्य पदक जीतने में कामयाब रही थी। यह वॉलीबॉल में भारत का सर्वश्रेष्ठ एशियाई खेलों का प्रदर्शन है। भारतीय महिला टीम ने अभी तक वॉलीबॉल में एशियाई खेलों में पदक नहीं जीता है, लेकिन भारतीय टीम के प्रदर्शन को देखते हुए लग रहा है कि भारत चौथा पदक जीतने में कामयाब हो सकता है।

भारत, जिसने पूल सी मुकाबले में 2018 संस्करण में रजत पदक विजेता कोरिया को पहले ही पराजित कर चौंका दिया था, शीर्ष 6 पर पहुंच गया, चीनी ताइपे 7-12 रैंकिंग पर खिसक गया।

'शारीरिक व मानसिक स्वस्थता के साथ टीम-भावना जरूरी'

टीम के कोच जयदीप सरकार ने कहा कि सभी खिलाड़ी बहुत अच्छे है और शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। उम्मीद है आगामी मुकाबलों में भारत का यह प्रदर्शन जारी रहेगा और हम लक्ष्य को प्राप्त करने में कामयाब होंगे। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों में एक पारिवारिक व टीम भावना विकसित करने के साथ-साथ उन्हें मानसिक व शारीरिक रूप से स्वस्थ रखने का प्रयास किया जा रहा है। तभी खिलाड़ी मैच के दौरान किसी भी चुनौती का सामना डटकर कर सकेंगे।

भारतीय पुरुष वॉलीबॉल टीम

अमित गूलिया, विनीत कुमार, शमीमुद्दीन अम्मारामबाथ, मुथुसामी अप्पावु, हरि प्रसाद बेविनकुप्पे सुरेश, रोहित कुमार, मनोज लक्ष्मीपुरम मंजूनाथ, उक्रापंडियन मोहन, अश्वल राय, संतोष सहाय एंथोनी राज, गुरु प्रशांत सुब्रमण्यम वेंकटसुब्बु और एरिन वर्गीस , टीम कोच जयदीप सरकार और टॉम जोसेफ।

अच्छी खबर 7000 से अधिक पुस्तकों का है संग्रह, लोकार्पण के बाद डीसी-डीडीसी ने लिया जायजा

डिस्ट्रिक्ट लाइब्रेरी - ज्ञानार्जन का उन्नत केंद्र

संवाददाता

बोकारो : चास प्रखंड अंतर्गत जिला परिषद मॉल में बने डिस्ट्रिक्ट लाइब्रेरी को जिले के छात्र-छात्राओं के लिए सुपुर्द कर दिया गया। किताबें ज्ञान का सागर मानी जाती हैं और ज्ञानार्जन का यह उन्नत केंद्र जिला प्रशासन की ओर से जिले के छात्र-छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिए एक सौगात माना जा रहा है। उपायुक्त कुलदीप चौधरी एवं उप विकास आयुक्त (डीडीसी) कीर्तीश्री जी. ने डिस्ट्रिक्ट लाइब्रेरी का जायजा लिया। उन्होंने क्रमवार लाइब्रेरी में उपलब्ध सुविधाओं को देखा एवं जिले के छात्र-छात्राओं को अध्यापन कार्य में ज्यादा से ज्यादा लाभ मिल सके, इसे लेकर संबंधित पदाधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश दिया। उपायुक्त एवं उप विकास आयुक्त ने क्रमशः रीडिंग हॉल, डिस्कशन रूम एवं लॉकर रूम आदि को देखा। बुक स्टोर में सभी पुस्तकों को पंक्तिबद्ध/श्रृंखलाबद्ध लगाने को लेकर संबंधित कर्मियों को जरूरी निर्देश दिया। मौके पर उपायुक्त एवं उप विकास आयुक्त ने रीडिंग हॉल में अध्ययन कर रहे कुछ छात्र-छात्राओं से संवाद भी किया। द्वय पदाधिकारियों ने छात्र-छात्राओं की सहूलियत को लेकर डिस्कशन रूम

में बनाए गए कैफेटेरिया का भी मुआयना किया। कैफेटेरिया का संचालन कर रही जेएसएलपीएस की समूह दीदी से डीसी-डीडीसी ने छात्रों के लिए उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। डीसी ने कुछ चल रहे कार्यों को जल्द पूरा करने को कहा।

मौके पर जिला जनसंपर्क पदाधिकारी राहुल भारती, जिला खेल पदाधिकारी श्रीमती हेमलता, जिला सीएसआर नोडल पदाधिकारी शक्ति कुमार, डीपीएम प्रकाश रंजन समेत अन्य पदाधिकारी, कर्मी व छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

उल्लेखनीय है कि डिस्ट्रिक्ट लाइब्रेरी का संचालन जिला परिषद बोकारो द्वारा किया जाएगा। यह लाइब्रेरी अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस है। छात्र-छात्राओं को एक ही फ्लोर पर रीडिंग हॉल, डिस्कशन रूम एवं लॉकर रूम आदि की सुविधा उपलब्ध होगी। इसके अलावा लाइब्रेरी में लिफ्ट, आरओ वॉटर एवं 07 हजार से ज्यादा सामान्य एवं विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित पुस्तक उपलब्ध हैं।

ऐसे बनें सदस्य - जिले के विभिन्न विद्यालयों/कॉलेजों एवं विभिन्न शैक्षणिक/कोचिंग संस्थानों में अध्ययनरत छात्र-छात्राएं डिस्ट्रिक्ट लाइब्रेरी का सदस्य बन सकते हैं। इसके लिए उन्हें निबंधन कराना होगा। निबंधन की प्रक्रिया ऑन-लाइन है। इच्छुक छात्र-छात्राएं जिला परिषद बोकारो.कॉम पर जाकर जिला परिषद पोर्टल पर ऑनलाइन सर्विसेस एवं उस पर क्लिक कर लाइब्रेरी रजिस्ट्रेशन जाकर अपनी/अपने अभिभावक की समस्त विवरणी/फोटो/डाक्यूमेंट अपलोड कर सबमिट पर क्लिक करेंगे। निबंधन शुल्क मात्र 100 रुपये है।

दूर होगा जल-संकट

बीएसएल के परिधीय गांवों में समर्पण चैरिटेबल ट्रस्ट के माध्यम से होगी जलापूर्ति

संवाददाता

बोकारो : बोकारो स्टील प्लांट ने अपने निगमित सामाजिक दायित्व का निर्वहन करते हुए बोकारो के परिधीय क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को उत्तरोत्तर बेहतर पेयजल उपलब्ध कराने हेतु बोकारो स्टील प्लांट के निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व विभाग और सरकार द्वारा अनुमोदित गैर सरकारी संगठन समर्पण चैरिटेबल ट्रस्ट के साथ एक एकरारनामे (एमओए) पर हस्ताक्षर किए हैं। बीएसएल के परिधीय गांवों में पानी के स्तर में कमी, हैंडपंपों के सूखने के कारण पानी की गंभीर कमी की समस्या को ध्यान में रखते हुए वर्ष 2022-23 में बीएसएल के परिधीय गांवों गंजूडीह, बोधनाडीह, महुआर, चिकलोपा और नरकारा में सौर ऊर्जा और बिजली आधारित पंप का उपयोग करके सभी ग्रामवासियों के लिए रोजाना 3000 लीटर पेयजल की सुविधा गैर सरकारी संगठन समर्पण चैरिटेबल ट्रस्ट के सहयोग से उपलब्ध कराया जा रहा है। वर्तमान में गंजूडीह, बोधनाडीह और महुआर परिधीय के ग्रामीण इस सुविधा का उपयोग कर रहे हैं तथा इसी वर्ष के दौरान चिकलोपा

और नरकारा गांवों में भी पेयजल की सुविधा प्रदान की जाएगी।

उपासना सर्किट के नाम से बनाया जा सकता है रजरप्पा-तारापीठ मार्ग

उम्मीद... सांसद चन्द्रप्रकाश चौधरी ने केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से की मांग

सकारात्मक कार्रवाई का मिला आश्वासन

मां छिन्नमस्तिका मंदिर, पारसनाथ, बैद्यनाथ धाम, तारापीठ जाने वाले लाखों श्रद्धालुओं को होगी सुविधा

संवाददाता

बोकारो : गिरिडीह के सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी ने केंद्रीय सड़क, परिवहन एवं राज मार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मिलकर झारखंड के रांची से लेकर रजरप्पा, पारसनाथ, देवघर होते हुए पश्चिम बंगाल के वीरभूम जिले तक उपासना सर्किट के रूप में सड़क निर्माण की मांग की है। उन्होंने इसे लेकर केन्द्रीय मंत्री को मांग पत्र भी सौंपा। उन्होंने नई दिल्ली में केंद्रीय मंत्री को इस बात से अवगत कराया कि रजरप्पा में मां छिन्नमस्तिका (दस महाविद्याओं में एक) का एक प्राचीन मंदिर है, जो हिन्दू धर्मावलंबियों की आस्था का केंद्र है। यहां से एक सड़क पारसनाथ जाती है, जो संथाल जनजाति के सर्वोच्च तीर्थ स्थल मरांग बुरू व जैनियों के 22 तीर्थंकरों की निर्वाण भूमि है। वहां से आगे बढ़ते हुए झारखंड के सबसे प्रसिद्ध तीर्थ स्थल एवं द्वादश ज्योतिर्लिंगों में एक बाबा बैद्यनाथ की नगरी देवघर होते हुए पश्चिम बंगाल के वीरभूम जिला अंतर्गत मां भगवती के शक्तिपीठ तारापीठ तक सड़क निर्माण हो जाने से धार्मिक श्रद्धालुओं को आवागमन की सुविधा प्राप्त होगी।

उन्होंने केंद्रीय मंत्री से कहा कि इस सड़क को उपासना सर्किट के नाम से भी जाना जा सकता है। इसका निर्माण होने से यह झारखंड व पश्चिम बंगाल के लोगों के लिए बड़ी सौगात होगी। उन्होंने केंद्रीय मंत्री से इस मामले में आवश्यक दिशा-निर्देश देने का आग्रह किया। केंद्रीय परिवहन मंत्री श्री गडकरी ने गिरिडीह सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी की बातों को ध्यान पूर्वक सुनने व मांग से संबंधित पत्र मिलने पर उन्हें इस विषय पर सकारात्मक कदम उठाने को लेकर आश्वस्त किया।

गांव-गांव तक कानूनी संचेतना का संदेश दे रहा जागरुकता रथ

संवाददाता

बोकारो : 17 सितंबर से 25 दिसंबर 2023 तक चलने वाले 100 दिवसीय जागरूकता एवं आउटरीच अभियान को लेकर न्याय सदन कार्यालय परिसर से प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार बोकारो कुमारी रंजना अस्थाना, उपायुक्त -सह- प्राधिकार के उपाध्यक्ष कुलदीप चौधरी एवं पुलिस अधीक्षक -सह- प्राधिकार सदस्य प्रियदर्शी आलोक ने हरी झंडी दिखाकर जागरूकता रथ रवाना किया। इसके साथ ही यह रथ जिले के सभी नौ प्रखंडों, सभी पंचायतो एवं सभी गांवो में जाकर रॉयल लीगल डिफरेंट काउंसिल, पीएलबी द्वारा विधिक जागरूकता और आउटरीच कार्यक्रम के बारे में आम जनमानस को जागरूक करने में लग गया। इसके तहत वैसे बच्चों की पहचान करके जिनकी तस्करी, बाल विवाह, बाल श्रम, पोस्को जैसे मुकदमों में पीड़ित है उनकी रक्षा की जा सके। साथ ही महिलाओं, दिव्यांगों आदि के अधिकारों के लिए उन्हें जागरूक किया जाएगा और सरकार की

कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी लोगों को दी जाएगी। सुश्री अस्थाना ने इस जागरूकता कार्यक्रम का व्यापक प्रचार-प्रसार करने पर जोर दिया।

गुड न्यूज विधायक ने रखी आधारशिला, कहा- स्वास्थ्य सेवाओं में आएगी बेहतरी

92 लाख रुपए की लागत से बदलेगी गोमिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की सूरत, शिलान्यास

कहकशां बेग़म

गोमिया : गोमिया विधायक डॉक्टर लंबोदर महतो ने गोमिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मरम्मत हेतु शिलान्यास किया। चिकित्सा प्रभारी डॉ. जितेंद्र प्रसाद ने विधायक का स्वागत किया। डॉ. लंबोदर महतो ने विधिवत पूजा-अर्चना कर शिलापट्ट का अनावरण किया। इस मौके पर विधायक ने कहा कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को मॉडल बनाने का शुरू से ही हम लोगों का लक्ष्य रहा है। इस स्वास्थ्य केंद्र को मॉडल अस्पताल रूप में विकसित करना है। जिला प्रशासन के सौजन्य से जिला अभियंता के माध्यम से डीएमएफटी मद से करीब 92 लाख की लागत से कई महत्वपूर्ण योजनाएं, जिनकी यहां जरूरत थी, मॉडल अस्पताल बनाने हेतु मूर्त रूप में उतारी जाएंगी। इनमें स्वास्थ्य केंद्र की चहारदीवारी की ऊंचाई बढ़ाने, जल निकासी (ड्रेन) और मेन गेट का तोरण द्वार, स्वास्थ्य केंद्र की छतें जहां से पानी पसीजता है, उसकी मरम्मत, गाड़ी पार्किंग शेड, बिल्डिंग के फ्रंट में ईसीपी पूरे भवन का रंग रोगन और सबसे महत्वपूर्ण मॉडल ओटीपी बनवाना है, ताकि मॉडल ओटीपी में ऑपरेशन किया जा सके। उक्त योजनाएं से संबंधित सभी अभियंताओं से आग्रह व निर्देश है कि यह सभी योजनाएं शीघ्र पूरा करें वह भी गुणवत्ता के साथ काम होना चाहिए। इस कार्यक्रम में जिला परिषद सदस्य डॉक्टर सुरेंद्र राज, आजसू पार्टी केंद्र सचिव राजेश विश्वकर्मा, जल स्वच्छ विभाग प्रतिनिधि संदीप स्वर्णकार, समाजसेवी प्रभु स्वर्णकार, उप प्रमुख अनिल कुमार महतो, जिला अभियंता हरिदास, विधायक प्रतिनिधि विपिन कुमार, हरिसन टुडू, विधायक पीए शिवचरण कुमार, जनप्रतिनिधि विनोद विश्वकर्मा, सपना कुमारी, विजय जायसवाल, सत्येंद्र कुमार, रविंद्र कुमार, दीपक कुमार, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के कर्मचारी सहित अन्य 50 के तादाद में गणमान्यजन माडल अस्पताल के आस में उपस्थित हुए थे।

हफ्ते की हलचल

देवशिल्पी की आराधना में लीन रही इस्पातनगरी

बोकारो : बोकारो इस्पात नगर तथा चास सहित जिले के सभी इलाके में आदिशिल्पी भगवान विश्वकर्मा पूजा धूमधाम के साथ सम्पन्न हुई। जिले के विभिन्न औद्योगिक संस्थानों के साथ ही लोगों ने जगह-जगह अपने घरों में भगवान विश्वकर्मा की आराधना की। बोकारो स्टील प्लांट के विभिन्न विभागों में भगवान विश्वकर्मा की पूजा-अर्चना परम्परानुसार पूरी श्रद्धा और उत्साह से की गयी। विभिन्न विभागों में कर्मचारियों ने पूरे उत्साह से मशीनों की पूजा की और प्लांट के सुरक्षित एवं सफल परिचालन की कामना की। बोकारो स्टील प्लांट के अधिशासी निदेशक बीके तिवारी, सुरेश रंगानी, अमिताभ श्रीवास्तव एवं राजन प्रसाद अपने अन्य वरिष्ठ सहयोगियों के साथ नगर व प्लांट परिसर के विभिन्न विभागों के पूजन कार्यक्रमों में शामिल हुए।

क्षमापना के साथ पर्युषण महापर्व संपन्न

बोकारो : एक-दूसरे से क्षमापना के साथ जैन धर्मावलंबियों के पर्युषण महापर्व का विधिवत समापन हो गया। नगर के सेक्टर- 2 स्थित जैन मिलन केंद्र (जैन मंदिर) में बड़ी संख्या में उपस्थित श्रावकों ने सालभर के दौरान मन, कर्म, वचन, काया आदि के माध्यम से किसी भी प्रकार की जाने-अनजाने में हुई भूलों के लिए एक-दूसरे से माफी मांगी। पर्युषण के अंतिम दिन सभी व्यक्ति एक-दूसरे से क्षमा मांगते हैं। पर्युषण के अवसर पर चास के श्री माणकचंद छालाणी भवन से आगंतुक जैन उपासिकाद्वय श्रीमती वीणा बोथरा एवं श्रीमती ममता बोथरा जैन ने लगातार आठ दिनों तक अपने प्रवचन से लोगों को जीवन का मर्म समझाया। खाद्य संयम, ध्यान, स्वाध्याय, जप, तप, सामायिक, उपवास, क्षमा आदि विविध प्रयोगों द्वारा आत्म-मंथन किया गया।

सीटीपीएस में शब्दावली व टिप्पण आलेख प्रतियोगिता

चंद्रपुरा : दामोदर घाटी निगम चंद्रपुरा ताप विद्युत केंद्र प्रबंधन द्वारा आयोजित हिन्दी पखवाड़ा दिवस के अवसर पर प्रशासनिक शब्दावली एवं टिप्पण आलेख प्रतियोगिता संपन्न हुई। यहां की इकाई 7- 8 के सम्मेलन कक्ष में आयोजित समारोह में निर्णायक मंडली के सदस्य पूनम कुमारी, रंजीत कुमार निराला शामिल थे, जबकि लक्ष्मी नारायण साहू, अनिमेष गिरि, रामजी रजक, कार्तिक कुमार महतो, अक्षय कुमार, पिंटू कुमार, सत्येंद्र नारायण सिंह, मो. शाहिद इमाम, रवि रंजन सिंह, जयंत सरकार, वसंत कुमार महापात्रा आदि प्रतियोगिता में शामिल हुए। इस अवसर पर हिन्दी अधिकारी रवि सिन्हा, संजीव कुमार आदि थे।

चास रोटरी ने वृद्धाश्रम को दी सहायता राशि

बोकारो : चास के सोलागडीह स्थित वृद्ध सेवा आश्रम में रह रहे 15 बुजुर्गों को अगले छह महीने तक दूध उपलब्ध करने हेतु रोटरी क्लब चास के माध्यम से सहायता राशि उपलब्ध कराई गई। वृद्ध सेवा आश्रम के अध्यक्ष अंजनी कुमार रूपक ने बताया कि विगत दिनों रोटरी क्लब चास की टीम ने वृद्ध सेवा आश्रम का दौरा किया था। चास रोटरी क्लब की टीम ने महसूस किया कि यहां के बुजुर्गों को दूध की आवश्यकता है, इसलिए क्लब द्वारा सहायता स्वरूप 18 हजार रुपए की राशि उपलब्ध कराई गई है। मौके पर चास रोटरी क्लब की अध्यक्ष पूजा बैद, डिंपल कौर, विनोद चोपड़ा, धनेश बंका, चास रोटरी क्लब के संस्थापक अध्यक्ष संजय बैद, मनोज चौधरी, विनय सिंह, विपिन अग्रवाल, कुमार अमरदीप आदि मौजूद थे। एक संक्षिप्त समारोह में चास थाना प्रभारी संतोष कुमार राणा के हाथों वृद्ध सेवा आश्रम के अध्यक्ष अंजनी कुमार रूपक को दो अलग-अलग चेक के माध्यम से 18000 रुपए उपलब्ध कराए गए।

स्वच्छ बोकारो मुहिम में जुटा नगर प्रशासन विभाग

बोकारो : स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत बोकारो इस्पात शहर के नगर प्रशासन विभाग के तत्वावधान में नया मोड़ से इस्पात भवन तक स्वच्छता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। महाप्रबंधक (नगर प्रशासन) ए के अविनाश एवं मो. टी सलाम के नेतृत्व में जनस्वास्थ्य की टीम के द्वारा स्वच्छता अभियान का नेतृत्व किया गया। आगामी 02 अक्टूबर तक नगर के विभिन्न क्षेत्रों के अलावा प्लांट परिसर, स्कूलों आदि में भी जन-भागीदारी के साथ इसका आयोजन किया जायेगा। अभियान के तहत जन जागरूकता पर्यावरण संरक्षण, वृक्षारोपण, सिंगल यूज प्लास्टिक के विकल्प, हेल्थ चेक अप कैंप आदि से जुड़े कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे।

India's G20 Presidency

Inclusive, Ambitious, Decisive and Action-oriented

The 18th G20 Summit held in New Delhi on September 9th and 10th, 2023 was a clear indicator of Bharat turning over a new leaf in its long history of international relations. Headed by Prime Minister Narendra Modi, the theme of the G20 summit was "Vasudhaiva Kutumbakam", which translates to "The world is one family", which was evident in all the diplomatic goals achieved by Bharat in two days. From announcing an international corridor, which resuscitates the revered Spice Route of old times, to bringing focus back on sustainable development through the Global Biofuel Alliance, leaders across the globe have applauded PM Modi's approach of diplomacy, non-alignment, and growth for all.

The 21st century is a time that has the potential to give a new direction to the entire world. It's a time when years old challenges demand new solutions from us. Therefore, we must move forward by fulfilling all our responsibilities with a Human Centric approach.

- PM Narendra Modi

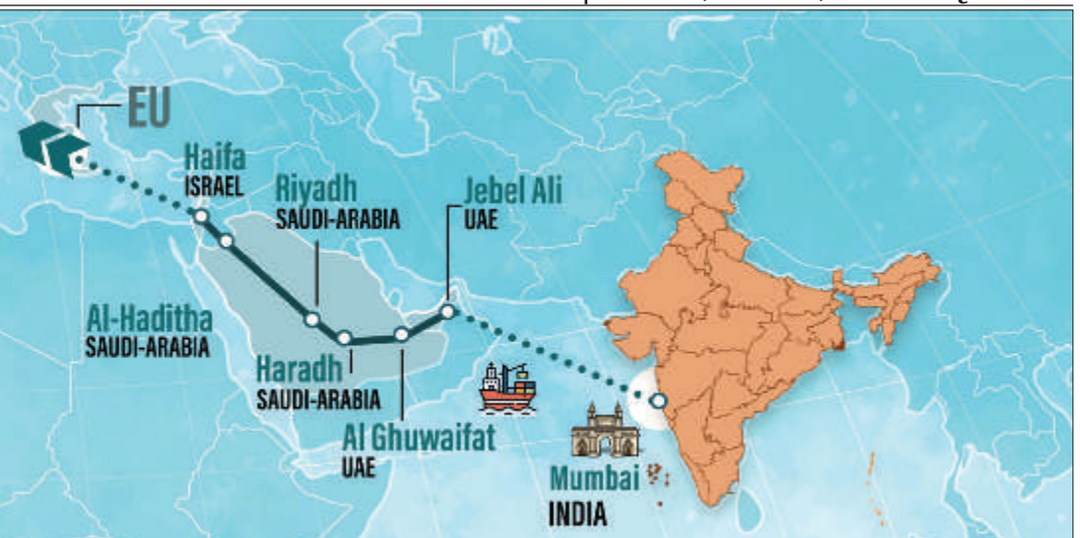

India's Push for Clean Energy

Global Biofuels Alliance (GBA)

Announced by the PM Modi-led government during

India Energy Week 2023

- Formally inaugurated on 9th September 2023

19 countries have joined GBA, along with 12 international organisations

GBA will also help accelerate India's existing biofuels programs such as

PM JI-VAN Yojana, SATAT & GOBARdhan scheme

increasing farmers' income, creating jobs and enhancing overall development

20% Ethanol blending, or E20, is estimated to save around **₹ 30 thousand crore annually**

G21: Addition of the African Union (AU)

On 9th September 2023, the **AU became a permanent member** of G20 under the presidency of India led by PM Modi

Announced in the inaugural session of the two-day summit, PM Modi welcomed the **55-nation union,** making it **the second regional bloc** to become a permanent member after the EU

Reimagining the Spice Route
India-Middle East-EU Corridor (IMEC)

UAE

$76.9 billion worth of bilateral trade between May 2022 & March 2023

Jordan

$4.4 billion worth of bilateral trade, an increase of 63% over the preceding year

Israel

Bilateral trade worth over **$10 billion,** excluding defence in 2022-23

EU

$116 billion worth of trade in goods in 2021-22, accounts for 10.8% of India's total trade

Saudi Arabia

$42.8 billion worth of bilateral trade in FY 2021-22

G20 Delhi Declaration

Diplomatic Progress

DELHI DECLARATION acknowledges a defining moment in India's journey to become a global leader

CONSENSUS ACHIEVED on achieving SDGs, eliminating hunger and malnutrition, education, global economic challenges and many other key issues

ADDRESSES POLITICAL, ECONOMIC & ENVIRONMENTAL CHALLENGES

coc 22201/13/0052/2324

सूक्ष्म से विराट की ओर उठने की क्रिया है अनंत श्रीविष्णु साधना

28 सितंबर : अनन्त चतुर्दशी पर विशेष

सांसारिक भवबाधाओं का अन्त करते हैं अनंत श्रीविष्णु

गुरुदेव श्री नंदकिशोर श्रीमाली

निर्गुण निराकार ब्रह्म ने जब सृष्टि की रचना की तो इसकी व्यवस्था और शासन के लिए स्वयं को सगुण साकार रूप परिणित कर लिया और श्रीविष्णु सृष्टि का पालन करने लगे। जब भी सृष्टि पर धर्म की हानि हुई, अराजकता बढ़ने लगी तो श्रीविष्णु ने मानव और मानवेत्तर रूपों में अवतार धारण कर अपनी प्रजा का उद्धार किया। श्रीविष्णु के दशावतार के बारे में तो हम सब जानते हैं। विष्णु-भक्त एकादशी को व्रत करते हैं। एकादशी प्रत्येक महीने में दो बार आती है। शुक्ल पक्ष और कृष्ण पक्ष में। परन्तु अनन्त चतुर्दशी भाद्रपद महीने के शुक्ल पक्ष की एकादशी के तीन बाद आती है और इस दिन भगवान विष्णु के अनन्त स्वरूप की आराधना की जाती है। विष्णु-भक्त जब अपने आराध्य का स्मरण करते हैं तब दुहराते हैं-

शान्ताकारम् भुजगशयनम् पद्मनाभम् सुरेशम्
विशावाधारम् गगन सदृशम् मेघवर्णम् शुभांगम्।
लक्ष्मीकान्तम् कमल नयनम् योगीभिध्यानिगम्यम्
वन्दे विष्णु भवभयहरम् सर्वलोकैकनाथम्।।

विश्व के आधार श्रीविष्णु का वर्ण मेघ के समान है। सर्प की शय्या पर सोने के बाद भी वे शान्त हैं। लक्ष्मीपति श्रीविष्णु योगियों को ध्यान के मार्ग से प्राप्त होते हैं और वे सांसारिक भवबाधाओं का अन्त कर देते हैं।

सारी सृष्टि का पालन श्रीविष्णु कर रहे, फिर कितनी ज्यादा जिम्मेदारियां हैं उन पर। इतनी जिम्मेदारियां तो सर्पशय्या के सदृश हो जाएंगी, पर श्रीविष्णु शान्त स्वभाव के हैं। भक्तजनों के कष्ट मन्द-मन्द मुस्कुराते हुए श्रीविष्णु हर लेते हैं, तभी तो उनका नाम 'हरि' है, जिसको जपने से सारी चिन्ताएं समाप्त हो जाती हैं। संसार के कल्याण में तल्लीन श्रीविष्णु क्षीर-सागर में इस निर्विकार भाव से लेटे हैं कि उन्हें अपने लिए महल, साम्राज्य कुछ भी हासिल करने की इच्छा नहीं है।

श्रीविष्णु का क्षीर-सागर में लेटा रहना द्योतक है एक गृहस्थ की सांसारिक जिम्मेदारियों का। क्षीर-सागर की तरह गृहस्थ की जिम्मेदारियां भी अथाह हैं और उन पर विजय निर्विकार भाव से प्राप्त की जाती है। निर्विकार भाव का अर्थ निष्क्रिय हो जाना नहीं है, पर कर्मजनित फल के प्रति आसक्ति का त्याग है। हर समय यह सोचना कि मेरे साथ ऐसा क्यों होता है, आपके मन को उद्विग्न कर देता है।

भगवान विष्णु अपनी चार भुजाओं में शंख, चक्र, गदा और कमल धारण किये हुए हैं।

कमल- सृष्टि का प्रतीक है, क्योंकि इसी फूल पर ब्रह्मा स्थित हैं, जो सृष्टि के रचयिता का आधार हैं।

शंख- सृष्टि में क्रियात्मक स्वरूप शब्द का सूचक है।

चक्र- निरन्तर गति है और कालचक्र का सूचक है।

गदा- संहार का सूचक है।

विष्णु शब्द 'विश' धातु से बना है। अर्थात सबमें प्रविष्ट, ओत-प्रोत और व्याप्त होना है। सांसारिक जीवों की समस्त ईच्छाओं की पूर्ति उन हरि के जप से ही संभव है।

विष्णु के संबंध में तैत्तिरीयोपनिषद में प्रार्थना है-

शं नो मित्रः शं वरुणः शं विष्णु शं प्रजापतिः।
शं नो इन्द्रो बृहस्पतिः शं नो भवत्वर्यमा।।

मित्र, वरुण, विष्णु भगवान, प्रजापति, इन्द्र, बृहस्पति और अर्यमा हम सबको, सभी प्रकार से, सभी ओर से सुखी करें। तैत्तिरीयोपनिषद के प्रारम्भ में यह मंगलाचरण आया है। वास्तव में भगवान विष्णु मगलों के भी मंगल हैं और इस पवित्र गुणगान में विष्णु से मंगल की प्रार्थना की गई है।

विष्णु सहस्त्रनाम में विष्णु के सहस्र नाम भगवान के इसी अनन्त स्वरूप की व्याख्या करते हैं। विष्णु के सहस्त्रनाम उनके गुणों के अनुसार ही हैं- 'यथानाम तथा गुण'।

श्रीविष्णु के परम भक्त नारद दिन-रात 'नारायण-नारायण' जपा करते हैं। इस कारण ही उनके नाम के

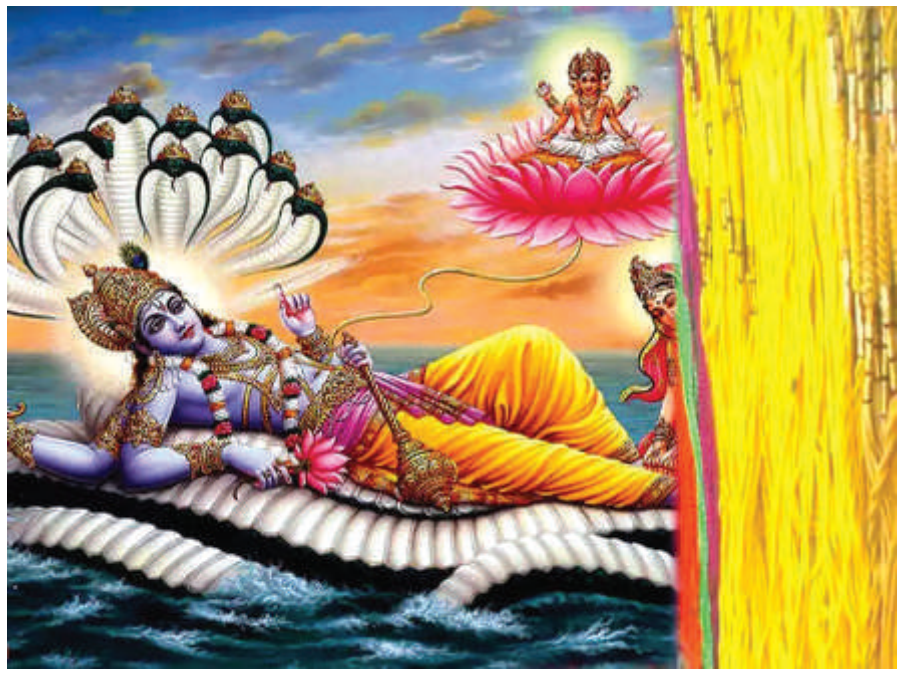

साथ नारायण शब्द जुड़ गया। अब नारद जी तो कहीं स्थिर रहते नहीं और वे दिन-दुनिया की खबर उसे चलाने वाले विष्णु को देते रहते हैं। अब संसार चलाने का आपके ऊपर भार है तो अपने संसार की खबर भी आपको श्रीविष्णु की तरह रखनी पड़ेगी। अक्सर भक्त श्रीमन् नारायण-नारायण, हरि-हरि जपते हैं और इस जप के प्रभाव से श्रीविष्णु आपके सारे पाप हर लेते हैं। जब आप विष्णुमय होते हैं, तब आपके अन्दर कर्तव्य का बोध आता है। यह एक परिपक्वता का पल होता है, क्योंकि श्रीविष्णु लक्ष्मी इस संसार के पालन में अपना सब कुछ भूल गये। न तो कोई इच्छा रही और न ही आसक्ति, बस एक ही भाव रहा कि सृष्टि धर्म के मार्ग पर चलती रहे। जब भी उसमें किसी प्रकार का संकट आया तो श्रीविष्णु स्वयं आये उसे हरने के लिए आये। क्योंकि हम सब उनकी संतानें हैं और जब बच्चा कष्ट में होता है तो उस समय उसके दुःख को हरने के लिए दूत नहीं भेजे जाते, बल्कि प्रभु स्वयं आते हैं।

विष्णु साधना अनन्त साधना है, जो साधक के शरीर ही नहीं, मन के ऊपर आये दोषों का भी निराकरण कर उसमें तेज, कर्मशीलता का उद्भव कर उसकी शक्ति को जाग्रत कर, शक्ति का विकास कर, साधक को अनन्त की ओर अर्थात् विशालता की ओर ले जाती है, सूक्ष्म से विराट की ओर, धरती से आकाश की ओर उठने की साधना ही तो अनन्त विष्णु साधना है। भगवान विष्णु के अनन्त स्वरूप की साधना करने से अनन्त साधनाओं का, अनन्त देवों के प्रभाव का फल मिलता है। अनन्त चतुर्दशी भगवान विष्णु की साधना का श्रेष्ठ दिवस है।

(साभार : निखिल मंत्र विज्ञान)

छोटी राई में हैं कई बड़े गुण, जानिए सेहत के फायदे

छोटी- छोटी गोल-गोल राई को अमूमन हर लोग जानते हैं। देखने में तो यह छोटी होती है, लेकिन इसके गुण बड़े-बड़े हैं। यह लाल और काले दानों में अक्सर मिलती है। बाहर के देशों में सफेद रंग की राई भी मिलती हैं। राई के दाने सरसों के दानों से काफी मिलते हैं। बस राई सरसों से थोड़ी छोटी होती है। राई ग्रीष्म ऋतु में पककर तैयार होती है। राई के बीजों का तेल भी निकाला जाता है। कुछ घरेलू उपयोग राई रसोई के मसाले के रूप में काफी महत्त्वपूर्ण है, जिसका उपयोग दाल, साग, रायता, अचार आदि में किया जाता है। दाल, साग, सब्जी, और रायते में इसका छौंक लगाया जाता है। अचार में इसका प्रयोग अचार में खट्टापन लाने के लिए किया जाता है। राई को 'कांजी' बनाते समय भी प्रयोग में लाया जाता है। राई से बनने वाले तेल को औषधि के रूप में प्रयोग में लाया जा सकता है। राई के दानों को चोट, घाव आदि को ठीक करने के लिए लगाया जा सकता है। पुलटिस लगाने से पूर्व वैद्य की सलाह अवश्य लेनी चाहिए। अपनी मर्जी से नहीं लगाना चाहिए।

औषधि के रूप में राई का प्रयोग

जुकाम- जुकाम होने पर राई को शहद में अच्छी तरह मिलाकर सूंघने से तुरंत राहत मिलेगी।

चर्म रोग- चर्म रोग होने पर राई को सिरके के साथ पीसकर उस जगह लेप लगाएं।

कान-दर्द- लाल राई का तेल कान में डालने से कान दर्द, कान में फोड़े-फुंसी को कम करता है।

ज्वाइंट पेन- जोड़ों का दर्द होने पर राई के तेल से कुछ दिन लगातार मालिश करने से राहत मिलती है।

प्रस्तुति : रूपक

अतीत की परछाइयाँ... पुपरी अनुमंडल का इतिहास

मिथिला राज्य का उदय - 1

रामबाबू नीरव
वरिष्ठ साहित्यकार
पुपरी, सीतामढ़ी (बिहार)।

पुपरी अनुमंडल का सम्पूर्ण इतिहास को जानने से पूर्व मिथिला राज्य और तिरहुत प्रमंडल के साथ-साथ सीतामढ़ी जिला के इतिहास को भी समझना अत्यावश्यक है। क्योंकि, पुपरी सीतामढ़ी जिला एवं तिरहुत प्रमंडल का ही भू-भाग है। सीतामढ़ी मिथिला राज्य के उद्भव काल से ही मिथिला का एक विकसित जनपद रहा है। यह सर्वविदित है कि मर्यादा पुरूषोत्तम श्री राम की भार्या जगत जननी माँ जानकी का प्रादुर्भाव इसी पुण्य भूमि (पुनौरा धाम) पर धरती माँ के गर्भ से हुआ था। अतः देखा जाए तो मिथिला की महिमा माँ सीता के पुण्य प्रताप से ही है।

सर्वप्रथम हमलोग मिथिला के सम्पूर्ण क्षेत्र को समझ लें। वर्तमान में मिथिला धार्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक दृष्टि से महत्वपूर्ण एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें बिहार राज्य के तिरहुत, दरभंगा, मुंगेर, कोशी, पूर्णिया और भागलपुर प्रमंडल तथा झारखंड राज्य के संथाल परगना के साथ-साथ नेपाल के तराई क्षेत्र के भी महत्वपूर्ण भूभाग शामिल हैं। इस क्षेत्र की प्रमुख भाषा हिन्दी, मैथिली, बज्जिका तथा नेपाली है। हिन्दू धार्मिक ग्रन्थों में इस क्षेत्र का उल्लेख शतपथ ब्राह्मण के बाद विस्तृत उल्लेख बाल्मिकि रामायण में मिलता है। मिथिला राज्य का उल्लेख महामुनि वेद व्यास कृत महाभारत में भी देखा जा सकता है। इसके अतिरिक्त अन्य पुराणों तथा गोस्वामी तुलसीदास रचित रामचरितमानस के साथ-साथ जैन और बौद्ध धर्म ग्रंथों में भी देखने को मिलता है। पुराणों के अध्ययन करने से यह भी ज्ञात होता है कि मिथिला का दूसरा नाम विदेह भी था। इसके अतिरिक्त इसे कहीं-कहीं तिरभुक्ति अथवा तिरहुत के नाम से भी सम्बोधित किया गया है।

बाल्मीकि रामायण तथा अन्य पुराणों में मिथिला को राजा निमि के पुत्र मिथि से जोड़ा गया है। रामायण के अनुसार राजा निमि के मृत शरीर को मथानी से मथने के पश्चात जिस दिव्य पुरुष का इस धरा पर अवतरण हुआ, उसे मिथि के नाम से जाना गया। उसी राजा मिथि ने इस भूभाग पर मिथिला राज्य की स्थापना की तथा अपने मिथिला राज्य की राजधानी जनकपुर नगर को बनाया। वर्तमान में यह नगर हमारे पड़ोसी राष्ट्र नेपाल का प्रमुख धार्मिक तथा व्यावसायिक केन्द्र है। इस नगर को नेपाल राष्ट्र की दूसरी राजधानी भी कहा जाता है। राजा मिथि के बारे में यह भी प्रचलित है कि स्वतः जन्म लेने के कारण उनका नाम जनक पड़ा तथा विदेह (देह रहित) पिता से जन्म लेने के कारण वे वैदेह (देह रहित) कहलाए। महाभारत काल में भी इस क्षेत्र को मिथिला कहकर ही सम्बोधित किया गया है तथा यहाँ के राजाओं को विदेह वंशीय (विदेहाः) कहा गया है।

वृहद् विष्णुपुराण के मिथिला महात्म्य में मिथिला तथा तीरभुक्ति (तिरहुत) दोनों नामों का उल्लेख मिलता है। इस पुराण के अनुसार बहुत सारी नदियों के तीर (तट) पर स्थित होने के कारण इसका नाम तीरभुक्ति पड़ा, जो बाद में तिरहुत हो गया। गंगा से लेकर हिमालय तक 15 नदियों के अस्तित्व को माना गया है। धर्मग्रंथों में उल्लिखित है कि यह तीरभुक्ति मिथिला सीता का नीमी कानन है, ज्ञान का क्षेत्र है और कृपा का पीठ है। जानकी की यह जन्मभूमि निष्पापा और निर्पेक्षा है। यह राम को आनंद देने वाली तथा मंगल दायिनी है।

महाभारत के अनुसार मगध के उत्तर दिशा में मिथिला की स्थिति मानी गयी है। श्रीकृष्ण, भीम और अर्जुन की मगध यात्रा का वर्णन करते हुए महर्षि वेदव्यास ने कहा है कि वे लोग पहले सरयू नदी पार करके पूर्वी कौशल प्रदेश फिर महाशोण (सोन नदी), गंडकी तथा सदानीरा को पार करके मिथिला में गये। पुनः गंगा तथा महाशोण को पार करके मगध पहुंचे। उस समय मगध के राजा जरासंध थे। इससे यह स्पष्ट हो जाता है कि उस काल में मगध के उत्तर मिथिला प्रदेश था तथा बज्जी प्रदेश मिथिला राज्य के ही अधीन था।

वृहद् विष्णुपुराण के अनुसार पूर्व में कोशी से आरंभ होकर पश्चिम में गंडकी तक 24 योजन तथा दक्षिण में गंगा नदी से आरंभ होकर उत्तर में हिमालय वन (तराई प्रदेश) तक 16 योजन मिथिला राज्य का विस्तार था। इस प्रकार उल्लिखित सीमा के अन्तर्गत वर्तमान में नेपाल के तराई प्रदेश के साथ बिहार राज्य का पश्चिमी चम्पारण (बेतिया), पूर्वी चम्पारण (मोतिहारी), शिवहर, सीतामढ़ी, मुजफ्फरपुर, वैशाली (हाजीपुर) समस्तीपुर, बेगूसराय, दरभंगा, मधुबनी, सुपौल, मधेपुरा, सहरसा और खगड़िया जिले का प्रायः पूरा भूभाग तथा भागलपुर जिले का आंशिक भूभाग पड़ता है।

मिथिला राज्य के संस्थापक राजा मिथि की 22 वीं पीढ़ी में (रामायण काल में) राजा सीरध्वज जनक का जन्म हुआ था। यही राजा सीरध्वज जनक जगत जननी माँ जानकी के पाल्य पिता थे। राजा सीरध्वज जनक द्वारा बर्षा के आह्वान हेतु भूमि पर हल चलाए जाने के दौरान माँ सीता का अवतरण धरती के गर्भ से हुआ था। (पूरी कहानी अगले अध्याय में दी जाएगी.)

रामायण काल के पश्चात अर्थात राजा सीरध्वज जनक पुत्र से लेकर अंतिम राजा कृति तक लगभग 32 राजाओं ने मिथिला पर शासन किया। इन राजाओं की सूची निम्नलिखित है -

1. मिथिला राज्य के संस्थापक महाराज मिथि, 2. प्रथम जनक, 3. उदावसु, 4, नन्दिवर्द्धन, 5. सच केतु, 6. देवरात, 7. बृहद्रथ, 8. महावीर, 9. सुधृति. 10. धृष्केतु, 11. हर्यश्व, 12. मरु, 13. प्रतीन्धक, 14. कीर्तिरथ, 15. देवमीढ़, 16. विवुध, 17. महीध्रक, 18. कीर्तिराज, 19. महारोमा, 20. स्वर्णरोमा, 21. ह्रस्वरोमा, 22. सीरध्वज जनक (माँ सीता के पिता)

रामायण काल के बाद के राजा -

1. भानुमान (राजा सीरध्वज जनक के पुत्र), 2. शत द्युम्न, 3. शूचि, 4. ऊर्जनामा, 5. शतध्वज, 6. कृति, 7. अंजन, 8. कुशहिं, 9. अरिष्टनेमि, 10. श्रुतायु, 11. सुपार्श्व, 12. संजय, 13. क्षेमावी, 14. अनेना, 15. भौमरथ, 16. सत्यरथ, 17. उपजु, 18. उपगुप्त, 19. स्वागत, 20. स्वानंद, 21. सुवर्चा 22. सुपार्श्व, 23. सुभाष, 24. सुश्रुत, 25. जय, 26. विजय, 27. ऋत, 28. सुनय, 29. बीतहव्य, 30. धृति, 31. बहुलाश्व, 32. कृति।

राजा कृति के साथ ही विदेह राजवंश समाप्त हो गया। उसके बाद महाभारत काल का उदय हुआ। महाभारत काल के राजाओं का अधिक वर्णन नहीं मिलता। यहाँ के राजाओं को विदेह वंशीय कहा गया है। महाभारत काल के बाद लगभग 700 ईसा पूर्व में दुनिया के प्रथम गणतंत्र वैशाली गणराज्य की स्थापना हुई और मिथिला राज्य को उसी गणराज्य में शामिल कर लिया गया। उस गणराज्य को बज्जि महासंघ अथवा लिच्छवि गणराज्य के नाम से भी जाना जाता है। यह बज्जि महासंघ आठ गणतांत्रिक कुलों का संघ था, जो उत्तर बिहार में गंगा के उत्तर में (मुजफ्फरपुर/हाजीपुर) अवस्थित था। इस राज्य की राजधानी वैशाली थी। लगभग 468 ईसा पूर्व (भगवान् बुद्ध के प्रादुर्भाव के बाद) बौद्ध काल में मगध सम्राट बिम्बसार के पुत्र अजातशत्रु ने महा बज्जि संघ को जीतकर अपने मगध साम्राज्य में मिला लिया। 345 ईसा पूर्व के आसपास मगध पर नंदवंश का शासन हो गया। इस वंश के महा पातकी राजा महापद्म नंद को आचार्य चाणक्य के सहयोग से चन्द्रगुप्त मौर्य ने नंदवंश का विनाश कर मगध में मौर्य राजवंश की स्थापना की।

चन्द्रगुप्त मौर्य ने मिथिला और वैशाली के साथ-साथ नेपाल राज्य को भी मगध साम्राज्य में मिला लिया। मौर्य राजवंश के द्वितीय राजा सम्राट अशोक ने कलिंग युद्ध के पश्चात बौद्ध धर्म स्वीकार कर लिया था। परिणामस्वरूप सम्पूर्ण मगध के साथ-साथ वैशाली और मिथिला की भी अधिकांश प्रजा ने बौद्ध धर्म को अपनाया। मगध साम्राज्य के अंतिम राजा बृहद्रथ मौर्य की हत्या उनके सेनापति पुष्यमित्र शुंग ने कर दी और मगध में शुंग राजवंश की स्थापना की। चूंकि शुंग वंश के संस्थापक पुष्यमित्र शुंगलु ब्राह्मण थे, इसलिए उन्होंने पुनः समस्त मगध साम्राज्य में हिन्दू धर्म को स्थापित की। इसके साथ ही मिथिला तथा नेपाल राज्य भी हिन्दू हो गया। शुंग राजवंश के पतन के बाद यहाँ हर्ष, गुर्जर, चन्देल, पाल आदि राजवंशों के बाद गुप्त राजवंश का अखंड राज्य स्थापित हुआ। इस राज्य की स्थापना चन्द्रगुप्त प्रथम ने की। इस राजवंश के प्रतापी राजा चन्द्रगुप्त द्वितीय हुए, जिन्हें विक्रमादित्य भी कहा जाता है। मिथिला राज्य दसवीं शताब्दी तक विभिन्न राज्यों के अधीन रहा। दसवीं शताब्दी के अंत और ग्यारहवीं शताब्दी के आरंभ में कर्णाटक के नान्यदेव ने गुप्त राजाओं के सहयोग से कर्णाट राजवंश की यहाँ स्थापना कर पौराणिक मिथिला राज्य को जीवित किया।

(अगले अंक में पढ़ें राजा नान्यदेव ने नानपुर में स्थापित की थी मिथिला राज्य की प्रथम राजधानी।)

बड़े पर्दे पर धूम मचाएगी बरमसिया की मल्लिका, 'चट्टान-2' की शूटिंग हुई पूरी

- चंदनकियारी के किसान परिवार से है मल्लिका का ताल्लुक

- कई टीवी सीरियलों में भी कर चुकी है काम

संजय भारद्वाज

चंदनकियारी : बालीवुड की फिल्म 'चट्टान' के रास्ते बरमसिया की मल्लिका चक्रवर्ती बड़े पर्दे के अभिनय में दिखेंगी। यह फिल्म पूरे भारत में हिन्दी, मलयालम व तेलगु भाषा में एकसाथ रिलीज हो चुकी है। इसमें नायिका के मुख्य किरदार में रांची के रजनिका गांगुली ने अभिनय किया है। साथ ही फिल्म चट्टान का निर्देशन सुदीप डी मुखर्जी द्वारा किया गया है। बता दें कि चंदनकियारी प्रखंड के सुदूरवर्ती गांव निवासी मल्लिका चक्रवर्ती एक किसान परिवार से ताल्लुक रखती हैं, जिनकी स्कूली शिक्षा बरमसिया व स्नातक बोकारो से हुई है। विगत कई वर्षों से बेहतर भविष्य की तलाश में वह मुंबई में रहकर फिल्म इंडस्ट्री में संघर्ष करते हुए क्राइम पेट्रोल समेत कई टीवी सीरियल में भूमिका निभा चुकी हैं। मल्लिका ने बताया कि बड़े पर्दे पर अभिनय करना उनका सपना था, जिसे फिल्म चट्टान के रूप में उन्हें सफलता मिली। अब उनकी आने वाली फिल्म चट्टान टू की शूटिंग भी पूरी हो चुकी है, जो सेंसर बोर्ड की अनुमति के बाद जल्द ही रिलीज होने वाली है।

मल्लिका।

पेज- एक का शेष

हेमंत को गिरफ्तारी...

सोरेन ने ईडी पर चुनी हुई सरकार को अस्थिर करने की साजिश करने सहित पीएमएलए 2002 की धारा 50 और 63 की वैधता को चुनौती दी है। दरअसल, ईडी को पीएमएलए (धनशोधन निवारण अधिनियम अथवा प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉउंड्रिंग एक्ट) की इन धाराओं के तहत किसी के बयान दर्ज करने के दौरान उसकी गिरफ्तारी करने का अधिकार है। सीएम का कहना है कि पीएमएलए का यह प्रावधान संविधान द्वारा दिए गए मौलिक अधिकार का हनन करता है। विदित हो कि जमीन घोटाले के मामले में रांची के पूर्व डीसी छविरंजन, विष्णु अग्रवाल सहित 13 आरोपी जेल में बंद हैं। जमीन घोटाले मामले में ईडी ने सोरेन को 24 अगस्त को पूछताछ के लिए समन भेजा था, तो उन्होंने इसके जवाब में पत्र भेजकर समन को गैरकानूनी बताते हुए कानूनी कार्रवाई की बात कही थी। बता दें कि हेमंत सोरेन से ईडी ने पिछले साल 17 नवंबर को करीब नौ घंटे तक पूछताछ की थी। आरोप है कि रक्षा मंत्रालय की जमीन को माफिया, बिचौलियों और नौकरशाहों के एक समूह ने मिलकर 1932 के फर्जी दस्तावेज तैयार किए थे। ईडी ने इस मामले में कई लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनमें सोरेन के पूर्व राजनीतिक सहयोगी पंकज मिश्रा भी शामिल हैं। अब सीधे सीएम से मनी लाउंड्रिंग को लेकर ईडी को पूछताछ करनी है।

बोले सरयू...

लेकर मैं देश के पीएम नरेंद्र मोदी के अभियान को ही आगे बढ़ाने का काम कर रहा हूं। ईडी द्वारा राज्य के सीएम हेमंत सोरेन पर 2020-2022 तक पत्थर खनन एवं उसके परिवहन के मामले में की जा रही कार्रवाई से पहले उसके उद्गम-स्थल के कार्यकाल 2015-2020 तक के मामले की भी जांच करे, खुलासा हो जाएगा। श्री राय ने कहा कि राज्य में नकली शराब बनाने का कार्य हर जगह किया जा रहा है।

बोकारो में हुई है...

हजारीबाग में भी की गई है। विकास ने जहां 'रेत' की धुन तैयार की और अपनी आवाज दी, वहीं अलादीन (धीरज) के साथ मिलकर इसकी लिरिक्स भी लिखी है। म्यूजिक अरेन्जमेन्ट त्रयक्ष भट्टाचार्जी ने किया। गिटार पर शुभोदीप गुहा तथा ढ़ोलक और तबले पर इन्द्रनील मित्रा ने संगत की। मिक्सिंग मास्टर साजिद अहमद एवं आडियो प्रोडक्शन हेड की भूमिका मृत्युंजय भट्टाचार्जी ने निभाई। लीड रोल में अलादीन (धीरज) एवं अनन्या मुखर्जी, सहयोगी कलाकार में विशाल प्रकाश, मेक-अप आर्टिस्ट पूजा भारद्वाज रहीं। वहीं, निर्देशक अभिषेक कुमार सिंह, फिल्मांकन निर्देशक सम्राट सैमी, वीडियो प्रोडक्शन में जयदेव पाटिल, एडिटर निशांत सागर तथा असिस्टेंट कैमरामैन के रूप में शुभम मेहता तथा प्रिंस गुप्ता ने अपना सहयोग दिया है। टीम में मुंबई के जयदीप, एक्ट्रेस अनन्या विष्णुपुर (प.बं.) को छोड़कर सभी कलाकार व सहयोगी बोकारो जिले ही रहने वाले हैं।

कूटनीतिक युद्ध... कनाडाई नॉट अलाउड

दूसरा पाक बनने की राह पर कनाडा

आईएसआई कर रहा फंडिंग!

सूत्रों का कहना है कि आईएसआई के कनाडा में मौजूद एजेंट्स ने कनाडा में खालिस्तानी ग्रुप के लोगों के साथ एक गुप्त बैठक की है। यह मीटिंग वैंकूवर कनाडा में हुई है। पांच दिन पहले हुई मीटिंग में एसएफजे प्रमुख पन्नू सहित खालिस्तानी संगठनों के दूसरे चीफ मौजूद थे। आईएसआई के साथ हुई मीटिंग में एंटी-इंडिया प्रोपेगैंडा को ज्यादा से ज्यादा फैलाने को लेकर प्लान तैयार हुआ। कनाडा में आईएसआई प्लान-के के तहत खालिस्तान गतिविधियों को तेज करने के लिए फंडिंग कर रही है। पिछले कुछ माह में कनाडा में रह रहे खालिस्तानियों के चीफ की बड़ी संख्या में फंडिंग हुई है। फंडिंग के जरिये लोगों को प्रदर्शन की जगह ले जाने, पोस्टर, बैनर और भारत के खिलाफ युवाओं को भड़काने का काम हो रहा है। खबरों की मानें, तो इसके पीछे चीन का भी हाथ हो सकता है। वर्तमान में कनाडा में 20 से ज्यादा खालिस्तानी और गैंगस्टर छिपे हैं। इस लेकर एनआईए और देश की दूसरी एजेंसियों ने कई बार कनाडा को जानकारी दी है, लेकिन कनाडा की जांच एजेंसी ने कोई जवाब नहीं दिया और न ही जांच में कोई सहयोग किया। लिहाजा, दोनों देशों के बीच कूटनीतिक युद्ध जैसे हालात हैं और रिश्ते खराब होते चले जा रहे हैं। समय रहते अगर ट्रूडो नहीं संभले, तो स्थिति और बदतर होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

ब्यूरो संवाददाता

नई दिल्ली : कहते हैं- जब आप तरक्की करेंगे, तो निश्चय ही कुछ नए दुश्मन भी पीछे खड़े हो जाते हैं। अपने देश भारत के साथ भी कुछ ऐसे ही हालात हैं। एक तरफ हमने जी-20 के सफल संचालन के जरिए पूरी दुनिया को अपनी वैश्विक क्षमता का अहसास करा दिया, वहीं दूसरी ओर कनाडा भारत के साथ दुश्मनी का रुख लेकर अब खुलकर सामने आ चुका है। खालिस्तानी समर्थक हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत का हाथ होने का आरोप लगाते हुए इसी के बहाने कनाडा दुश्मनी पर उतर चुका है। अब वहां खालिस्तानी अलगाववादियों द्वारा खुलकर भारत-विरोधी गतिविधियां तेज कर दी गई हैं। खबर है कि खालिस्तानी समर्थकों को 'एंटी इंडिया मिशन' के लिए पाकिस्तान अपना समर्थन दे रहा है। आईएसआई की इसमें मिलीभगत है। दूसरे शब्दों में कहें, तो अब कनाडा भारत के लिए दूसरा पाकिस्तान बनने की राह पर निकल चुका है। लेकिन, भारत भी अब 1947 का अब कहां, जो इसे बर्दाश्त किया जाता। कनाडा से भारतीय राजनयिक को निकाले जाने का भारत ने मुंहतोड़ जवाब दिया। वह भी ईंट का जवाब पत्थर से की तर्ज पर। भारत में कनाडा के हाई कमिश्नर कैमरून मैके को विदेश मंत्रालय से समन किया गया और कनाडाई डिप्लोमैट को निष्कासित कर दिया। इसके दो दिन बाद ही भारत ने कनाडाई नागरिकों के लिए अपनी वीजा सेवाओं को 'ऑपरेशनल कारणों' से अनिश्चित काल के लिए निलंबित कर दिया है। इससे कनाडा के नागरिकों को भारत का वीजा नहीं मिलेगा और वे भारत की यात्रा नहीं कर पाएंगे।

दरअसल, कनाडा में खालिस्तान समर्थन में गतिविधियां लंबे अर्से से संचालित की जाती रही हैं। भारत के पंजाब प्रदेश में कई राष्ट्रवादी लोगों की हत्या में कनाडा में बैठे खालिस्तान समर्थक आतंकियों के इशारे पर अंजाम दिया गया। कनाडा के हिन्दू धर्म स्थलों पर खालिस्तान समर्थकों द्वारा आए दिन आपत्तिजनक नारे लिखे जा रहे हैं और मंदिरों में तोडफोड़ की वारदातें भी हुई हैं। बढ़ती तल्खी के बीच खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने कनाडाई हिंदुओं को देश छोड़ देने की धमकी दी है। हर बार भारत सरकार ने कनाडा सरकार को इन वारदातों पर आगाह किया, लेकिन कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के मामले में भारत के हाथ होने के आरोप लगाकर स्थिति और बिगाड़ दी। अब हर गुजरते दिन के साथ दोनों देशों के रिश्ते खराब होते जा रहे हैं। ट्रूडो ने खालिस्तान समर्थक आतंकवाद को अभिव्यक्ति की आजादी के साथ कनाडा की प्रतिबद्धता बताते हुए न सिर्फ खारिज किया, बल्कि खालिस्तान समर्थक आतंकियों को प्रश्रय देकर भारत के प्रति जहर उगलने का काम भी शुरू कर दिया। जाहिर है कि अब भारत सरकार के सब्र का बांध भी टूट गया।

जानकारों की मानें तो इन सब के पीछे कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की किसी भी तरह सत्ता में बने रहने की महत्वाकांक्षा भी जिमेदार है। वह हर कीमत पर कनाडा में बसे लाखों सिखों का समर्थन हासिल करने की लालसा रखते हैं। खालिस्तानियों के समर्थन से अपनी कुर्सी बचाने के लिए प्रधानमंत्री ट्रूडो अतिवादियों के सामने पूरी तरह घुटने टेक चुके हैं। उन्हें इस बात का भान नहीं है कि खालिस्तानी अतिवादी ताकतों के साथ खड़े होने से फिलहाल उनकी कुर्सी बच जाएगी, लेकिन इसके चलते न सिर्फ भारत-कनाडा के संबंध टूटने के कगार पर पहुंच गए हैं, वरन् कनाडा के लिए भी असहज हालात पैदा हो सकते हैं। बता दें कि हरदीप सिंह निज्जर 1977 में भारत में जन्मा खालिस्तान समर्थक आतंकी था, जिसकी हत्या इसी वर्ष जून में दो हमलावरों ने गोली मारकर कर दी थी।

खालिस्तान समर्थक इन दिनों कनाडा में बड़ी संख्या में हैं। ये तत्व भारत में अपने अलग राज्य के विचार को बल देने के लिए व सिखों की सहानुभूति जुटाने के लिए निज्जर की हत्या में भारत सरकार का हाथ होने आरोप लगाते रहे हैं। अब जस्टिन ट्रूडो ने कनाडा संसद में इस तरह का निराधार बयान देकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी एक निराधार आरोप को दोहराकर भारत-विरोधी कुप्रचार में शामिल होने और अलगाववादी आतंकी मानसिकता को बल देने का प्रयास किया है। जबकि, भारत शुरू से ही इन आरोपों को सिरे से खारिज कर रहा है। हालांकि, ट्रूडो ने कोई पहली बार इस तरह का गैर-जिम्मेदाराना रवैया नहीं दिखाया है। पिछले दिनों जी20 की शिखर बैठक के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात के दौरान भी उनके रुख से यही संकेत मिला कि वह कनाडा में खालिस्तान समर्थक तत्वों की हरकतों को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं।

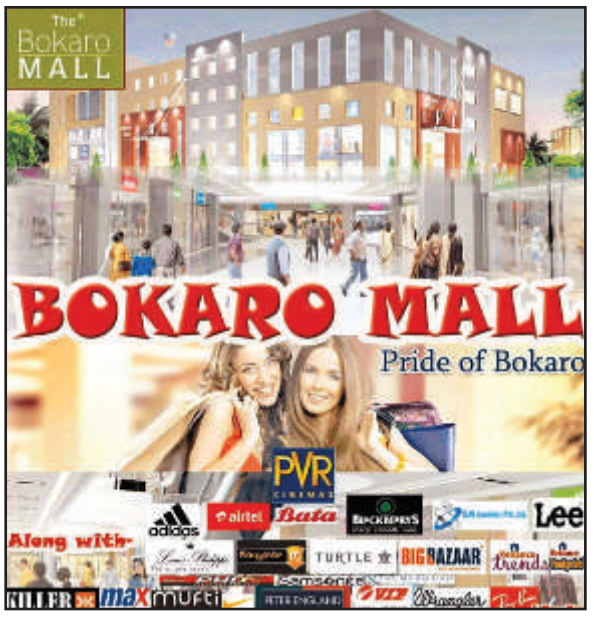

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वत्वाधिकारी विजय कुमार झा द्वारा डीबी कॉर्प लिमिटेड, भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविन्दपुर रोड, जीके आश्रम, धनबाद से मुद्रित एवं सेक्टर-3बी/94, बोकारो स्टील सिटी (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक : विजय कुमार झा***
प्रबंध संपादक : **कंचन झा**, दिल्ली ब्यूरो : **श्रवण कुमार झा,** फोन/फैक्स : (06542) 246899, E-mail : mithilavarnan@gmail.com, आरएनआई.पंजीयन संख्या : 48973/89 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिये जिम्मेवार)